**बायोटेक किसान हब परियोजना के तहत "चयनित औषधीय पौधों के उत्तम कृषि क्रियाएं एवं शस्य-तकनीक" पर पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात द्वारा किया गया**

भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय (आईसीएआर-डीएमएपीआर) ने जल ब्राह्मी, अश्वगंधा, मुकुना और जिम्नेमा आदि जैसे औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए "चयनित औषधीय पौधों के उत्तम कृषि क्रियाएं एवं शस्य-तकनीक" पर 14-18 सितंबर, 2020 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुजरात में आजीविका और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए चयनित औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देना था। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन और समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. सत्यांशु कुमार, प्रभारी निदेशक, भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद ने की। डॉ. कुमार ने औषधीय एवं सगंधीय पौधों के महत्व और मूल्यवर्धन पर जोर दिया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वाई. सी. झाला, प्रिंसिपल एवं डीन, आईएबीएम, एएयू, आणंद ने कहा कि औषधीय एवं सगंधीय पौधों के क्षेत्र में व्यवसाय विकास के लिए बहुत बड़े अवसर हैं। डॉ. पी. एल. सारण, परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक ने उद्घाटन समारोह के दौरान इस

परियोजना के उद्देश्य के साथ-साथ कार्यक्रम विवरण प्रस्तुत किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 50 किसानों ने भाग लिया। कुल मिलाकर, ग्यारह व्याख्यान चयनित औषधीय पौधों के उत्तम कृषि क्रियाएं एवं शस्य-तकनीक पर दिए गए। इस कार्यक्रम के दौरान, दो प्रदर्शन, दो हर्बल गार्डन और एक फार्मेसी देखने की भी व्यवस्था की गई। समापन कार्यक्रम के दौरान, प्रगतिशील किसान श्री विमल कुमार के. पटेल, इस्नाव, आणंद को जल ब्राह्मी की सफल खेती के लिए एक वर्ष के लिए "उन्नत किसान फैलोशिप" से सम्मानित किया गया है और

एफएलडी के माध्यम से किसानों के बीच जागरूकता फैलाने में उनके योगदान को विधिवत स्वीकार किया गया।

**(स्रोत कृषि ज्ञान :प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात।)**